

刘植荣◎著

# 圣经中的 人生智慧



## Understanding the Most Important Bible Verses

人点灯，不放在斗底下，是放在灯台上，就照亮一家的人。

Neither do people light a lamp and put it under a bowl.

Instead they put it on its stand,  
and it gives light to everyone in the house.

江西人民出版社

# 圣经中的人生智慧

Understanding  
the Most Important Bible Verses

刘植荣◎著



江西人民出版社

## 图书在版编目(CIP)数据

圣经中的人生智慧 / 刘植荣著. —南昌: 江西人民出版社, 2012.5  
ISBN 978-7-210-05173-2

I. ①圣… II. ①刘… III. ①圣经-人生哲学-通俗读物  
IV. ①B971-49

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2012)第 022209 号

## 圣经中的人生智慧

作 者: 刘植荣 著

责任编辑: 余 晖 李月华

封面设计: 同异文化传媒

出 版: 江西人民出版社

发 行: 各地新华书店

地 址: 江西省南昌市三经路 47 号附 1 号

编辑部电话: 0791-86898143

发行部电话: 0791-86898815

邮 编: 330006

网 址: [www.jxp-ph.com](http://www.jxp-ph.com)

E-mail: [jxp-ph@tom.com](mailto:jxp-ph@tom.com) [web@jxp-ph.com](mailto:web@jxp-ph.com)

2012 年 5 月第 1 版 2012 年 5 月第 1 次印刷

开 本: 787 × 1092 毫米 1/16

印 张: 13

字 数: 211 千

ISBN 978-7-210-05173-2

赣版权登字—01—2012—14

版权所有 侵权必究

定 价: 25.80 元

承 印 厂: 深圳市森广源印刷有限公司

赣人版图书凡属印刷、装订错误, 请随时向承印厂调换

## 前言

《圣经》是世界上发行量最大的一本书,也是被引用最多的一本书,不了解《圣经》,在对外文化交流和经贸合作中难免会产生沟通上的障碍。我在国外工作期间,由于对《圣经》有所了解,并能讲些《圣经》中的金句名言,这给我与外国人沟通增加了润滑剂,增进了我与他们的友谊和彼此的信任。

中国出版的关于《圣经》的书有不少种,但大多是圣经故事,很难让读者了解《圣经》的精髓。于是,本着“古为今用,洋为中用”的方针,我从《圣经》中精选出一些充满人生智慧的“论语”式的句子,并给出个人的理解与感悟,希望对读者了解《圣经》起到抛砖引玉的作用,正如《圣经》所讲:“人点灯,不放在斗底下,是放在灯台上,就照亮一家的人。”

从文学和哲学角度来看,可以说《圣经》能与中国的《论语》等任何著作媲美。马克思在《政治经济学批判》中借用《圣经》中“为了一碗红豆汤而出卖自己的长子权”的典故,形象地说明工人为养家糊口这个眼前利益,不得不出卖全部劳动力,揭示了工人与资本家之间的阶级关系。根据有关资料统计,在《马克思恩格斯全集》中,引用《圣经》典故 300 多个,提及《圣经》中的人物 80 多个,这还不包括重复引用和提及的。

中国目前“一手硬,一手软”的问题依然严峻。老人跌倒需要救助,居然是国人围观,外国人前去救助;边远地区学童失学,社会无动于衷;无钱就医的病人,只有躺在家里等死。所有这些现象反映了我们这个社会的整体道德滑坡。如果每个人只考虑个人利益,“各人自扫门前雪,莫管他人瓦上霜”,那么,这样

的民族很难形成凝聚力,更难想象把这样的国家建设得更文明、更富强。

《圣经·新约·腓利比书》第2章第4节讲:“各人不要单顾自己的事,也要顾别人的事。”社会是个共生体,唇亡齿寒,别人的利益得不到保障,最后必定危害到自己的利益。关心别人,就是关心自己,关心了别人,当自己遇到困难时,也会从别人那里得到帮助。值得注意的是,社会总是迷恋权贵,为权贵提供更多的服务,忽视贫穷位卑者的利益,就像英国18世纪哲学家、经济学家亚当·斯密在《道德情操论》中写的那样:“我们对权贵人士的尊敬,极易失之太过;我们对贫穷不幸者的同情,极易失之不足。”

优秀的宗教文化是人类社会文明的重要组成部分,是公民道德建设的内容补充。本书的思想主旨就是让我们要有责任感。首先从个人层面而言,对自己要担负责任,做个好人,做对事情,能自食其力,不给社会增加负担;继而从家庭层面而言,要对家庭担负责任,家庭是社会的细胞,如果每个人都能照顾好家庭成员,社会机体必然是健康、充满活力的;最后从社会层面而言,就是要延伸到对社会担负责任,如果人只为自己活着,为自己的小家庭活着,那他还不是一个完整的人,只有当人积极参与社会活动,承担社会责任,实现自己的社会价值,才能称其为一个社会人。一个完善的人应该是一个对自己负责、对家庭负责、对社会负责的人。

需要说明的是,对《圣经》这样世界级经典著作的理解,必然呈现出见仁见智的特点,加之本人对《圣经》研读不深,难免挂一漏万、理解错误,恳请读者批评指正,以便再版时修改。

本书中的汉语经文选自华人使用最广的和合本《圣经》,并对少数不符合现代用词习惯的词语进行了替换;英文经文选自最流行的新国际版《圣经》(NIV),为保持句子完整,个别英文句子句首单词有词形变化。

江西人民出版社余晖主任和李月华编辑,为本书的出版付出了大量劳动,并提出许多修改意见。她们一丝不苟、精益求精的工作态度让我感动,谨向两位编辑表达我诚挚的敬意和衷心的感谢。

刘植荣

家庭篇

|    |               |    |
|----|---------------|----|
| 01 | 上帝造人 .....    | 3  |
| 02 | 造人的目的 .....   | 5  |
| 03 | 住有所居 .....    | 5  |
| 04 | 独居不好 .....    | 6  |
| 05 | 造女人 .....     | 7  |
| 06 | 妻子的地位 .....   | 8  |
| 07 | 夫妻相处之道 .....  | 8  |
| 08 | 第一次生育 .....   | 9  |
| 09 | 分娩必痛苦 .....   | 11 |
| 10 | 得子的喜悦 .....   | 12 |
| 11 | 长子权的由来 .....  | 13 |
| 12 | 坐月子的规矩 .....  | 15 |
| 13 | 不育的烦恼 .....   | 15 |
| 14 | 完美妻子 .....    | 16 |
| 15 | 好色男人 .....    | 18 |
| 16 | 一夫多妻 .....    | 18 |
| 17 | 娶嫂为妻 .....    | 20 |
| 18 | 不可近亲结婚 .....  | 20 |
| 19 | 夫妻分居不宜长 ..... | 21 |
| 20 | 圣洁的洞房 .....   | 21 |
| 21 | 离婚自由 .....    | 22 |
| 22 | 寡妇可改嫁 .....   | 22 |

|    |                |    |
|----|----------------|----|
| 23 | 是非同性恋 .....    | 23 |
| 24 | 情爱相随 .....     | 23 |
| 25 | 贤内助安家 .....    | 24 |
| 26 | 泼妇难忍 .....     | 25 |
| 27 | 女人要有才识 .....   | 25 |
| 28 | 恩爱夫妻 .....     | 26 |
| 29 | 孝敬父母 .....     | 27 |
| 30 | 不溺爱子女 .....    | 28 |
| 31 | 接受管教 .....     | 29 |
| 32 | 父子互荣 .....     | 30 |
| 33 | 打骂父母不得好死 ..... | 31 |
| 34 | 是非割礼 .....     | 31 |
| 35 | 遗精常识 .....     | 32 |
| 36 | 是非避孕 .....     | 32 |
| 37 | 入土为安 .....     | 33 |
| 38 | 家谱的价值 .....    | 34 |
| 39 | 家和万事兴 .....    | 36 |
| 40 | 金钱买不来爱情 .....  | 37 |
| 41 | 不可心存嫉妒 .....   | 38 |
| 42 | 着装男女有别 .....   | 39 |
| 43 | 人本来素食 .....    | 39 |
| 44 | 肉食解禁 .....     | 40 |
| 45 | 可食走兽 .....     | 41 |
| 46 | 可食鱼类 .....     | 42 |
| 47 | 不可食的飞鸟 .....   | 43 |

## 人生篇

|    |              |    |
|----|--------------|----|
| 01 | 人生如影 .....   | 47 |
| 02 | 只爱真理 .....   | 48 |
| 03 | 真理使人自由 ..... | 49 |

|    |                |    |
|----|----------------|----|
| 04 | 真理之光 .....     | 50 |
| 05 | 打好基础 .....     | 51 |
| 06 | 爱惜光阴 .....     | 53 |
| 07 | 知识就是财富 .....   | 53 |
| 08 | 智者多虑 .....     | 54 |
| 09 | 戒骄戒躁 .....     | 55 |
| 10 | 虚心使人进步 .....   | 56 |
| 11 | 人要谦卑 .....     | 57 |
| 12 | 不图虚名 .....     | 58 |
| 13 | 耳听心受 .....     | 58 |
| 14 | 智慧胜过金钱 .....   | 59 |
| 15 | 远离恶就是聪明 .....  | 60 |
| 16 | 聪明要用对地方 .....  | 60 |
| 17 | 鱼和熊掌不可兼得 ..... | 61 |
| 18 | 矢志不渝 .....     | 62 |
| 19 | 有信心还要有行动 ..... | 62 |
| 20 | 苦尽甘来 .....     | 63 |
| 21 | 水到渠成 .....     | 63 |
| 22 | 磨刀不误砍柴工 .....  | 64 |
| 23 | 潜心做自己的事 .....  | 65 |
| 24 | 脚踏实地 .....     | 65 |
| 25 | 先做后说 .....     | 66 |
| 26 | 谦虚做人 .....     | 67 |
| 27 | 花开堪折直须折 .....  | 67 |
| 28 | 善始善终 .....     | 68 |
| 29 | 不贪睡 .....      | 68 |
| 30 | 懒惰是万恶之源 .....  | 69 |
| 31 | 好人一生平安 .....   | 69 |
| 32 | 好人有好报 .....    | 70 |
| 33 | 守住良心 .....     | 70 |
| 34 | 正直可贵 .....     | 71 |

|    |                   |    |
|----|-------------------|----|
| 35 | 冷漠的危险 .....       | 71 |
| 36 | 苦难是一种财富 .....     | 73 |
| 37 | 不做亏心事，不怕鬼叫门 ..... | 73 |
| 38 | 要想人不知，除非己莫为 ..... | 74 |
| 39 | 贵在坚持 .....        | 74 |
| 40 | 防微杜渐 .....        | 74 |
| 41 | 知足常乐 .....        | 75 |
| 42 | 活着不是为了吃饭 .....    | 76 |
| 43 | 不可狂妄 .....        | 77 |
| 44 | 海纳百川 .....        | 77 |
| 45 | 不轻易动怒 .....       | 78 |
| 46 | 吐真言 .....         | 79 |
| 47 | 快乐是良药 .....       | 79 |
| 48 | 乐极生悲 .....        | 80 |
| 49 | 安分守己 .....        | 80 |
| 50 | 君子坦荡荡 .....       | 81 |
| 51 | 什么是爱 .....        | 82 |
| 52 | 爱不可虚伪 .....       | 83 |
| 53 | 宁给勿受 .....        | 83 |
| 54 | 劳动就是安眠药 .....     | 84 |
| 55 | 勤劳致富 .....        | 85 |
| 56 | 自食其力 .....        | 86 |
| 57 | 劳动延长生命 .....      | 86 |
| 58 | 贪财是万恶之源 .....     | 87 |
| 59 | 钱不能给人幸福 .....     | 87 |
| 60 | 财富尽是浮云 .....      | 88 |
| 61 | 富人不能进天国 .....     | 89 |
| 62 | 钱财乃身外之物 .....     | 90 |
| 63 | 财富总要失去 .....      | 90 |
| 64 | 财富不是生活的全部 .....   | 92 |
| 65 | 财富并非成功的标志 .....   | 92 |

|    |              |    |
|----|--------------|----|
| 66 | 健康胜过财富 ..... | 93 |
| 67 | 人生价值 .....   | 94 |

### 处世篇

|    |               |     |
|----|---------------|-----|
| 01 | 爱人如己 .....    | 99  |
| 02 | 助人者得人助 .....  | 100 |
| 03 | 关心弱者 .....    | 100 |
| 04 | 远亲不如近邻 .....  | 101 |
| 05 | 人富朋友多 .....   | 102 |
| 06 | 朋友在精不在多 ..... | 103 |
| 07 | 为友舍命 .....    | 103 |
| 08 | 诤友可贵 .....    | 104 |
| 09 | 和睦相处 .....    | 105 |
| 10 | 人不可貌相 .....   | 106 |
| 11 | 一个好汉三个帮 ..... | 106 |
| 12 | 路见不平一声吼 ..... | 107 |
| 13 | 吃亏者常在 .....   | 108 |
| 14 | 不说空话 .....    | 108 |
| 15 | 善解人意 .....    | 109 |
| 16 | 诚实无妄 .....    | 110 |
| 17 | 结党营私 .....    | 111 |
| 18 | 实话实说 .....    | 112 |
| 19 | 对牛弹琴 .....    | 112 |
| 20 | 成人之美 .....    | 113 |
| 21 | 搬弄是非 .....    | 114 |
| 22 | 不传谣 .....     | 114 |
| 23 | 奇妙的舌头 .....   | 115 |
| 24 | 舌能断骨 .....    | 116 |
| 25 | 恶语伤人 .....    | 116 |
| 26 | 言多必失 .....    | 117 |
| 27 | 长舌妇 .....     | 117 |

|    |                    |     |
|----|--------------------|-----|
| 28 | 口蜜腹剑 .....         | 118 |
| 29 | 嘴巴要把门 .....        | 118 |
| 30 | 谦虚谨慎 .....         | 119 |
| 31 | 忠言逆耳 .....         | 119 |
| 32 | 以其人之道，还治其人之身 ..... | 120 |
| 33 | 听君一席话，胜读十年书 .....  | 121 |
| 34 | 身正自心安 .....        | 122 |
| 35 | 物以类聚，人以群分 .....    | 122 |
| 36 | 大智若愚 .....         | 122 |
| 37 | 退一步海阔天空 .....      | 123 |
| 38 | 三思后行 .....         | 124 |
| 39 | 凡事动脑子 .....        | 125 |
| 40 | 无知莫狂妄 .....        | 126 |
| 41 | 换位思考 .....         | 127 |
| 42 | 正人先正己 .....        | 127 |
| 43 | 不可越俎代庖 .....       | 128 |
| 44 | 莫要幸灾乐祸 .....       | 128 |
| 45 | 多交朋友少树敌 .....      | 129 |
| 46 | 好色非爱 .....         | 129 |
| 47 | 不要吃着碗里，看着锅里 .....  | 130 |
| 48 | 饱暖思淫欲 .....        | 132 |
| 49 | 酒使人放荡 .....        | 134 |
| 50 | 合伙的买卖不长 .....      | 134 |
| 51 | 不为五斗米折腰 .....      | 135 |
| 52 | 不仗势欺人 .....        | 136 |
| 53 | 害人害己 .....         | 136 |
| 54 | 接受批评 .....         | 137 |
| 55 | 阳奉阴违可笑 .....       | 137 |
| 56 | 给予就是储蓄 .....       | 138 |
| 57 | 为富不仁 .....         | 139 |
| 58 | 真慈善 .....          | 139 |
| 59 | 行善不张扬 .....        | 141 |

|    |            |     |
|----|------------|-----|
| 60 | 戒七恶习 ..... | 142 |
|----|------------|-----|

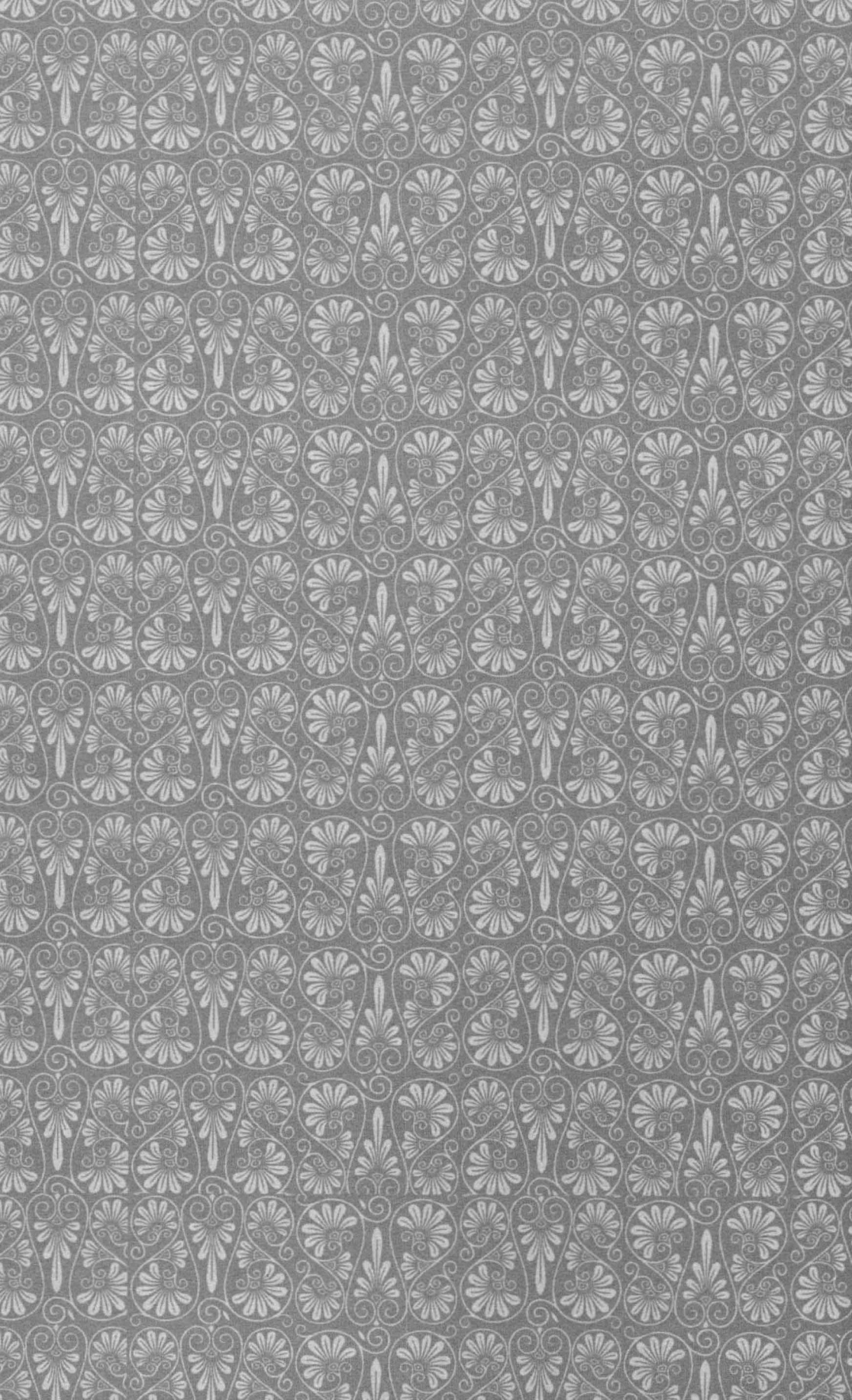
公义篇

|    |                  |     |
|----|------------------|-----|
| 01 | 人类第一次审判 .....    | 145 |
| 02 | 戒贪 .....         | 147 |
| 03 | 贪欲生罪 .....       | 147 |
| 04 | 意淫也是淫 .....      | 148 |
| 05 | 受贿如盗窃 .....      | 149 |
| 06 | 受贿必失公正 .....     | 150 |
| 07 | 投机倒把扰乱经济秩序 ..... | 151 |
| 08 | 不义之财终失 .....     | 152 |
| 09 | 害人害己 .....       | 152 |
| 10 | 谎言不攻自破 .....     | 153 |
| 11 | 奸诈与邪恶相伴 .....    | 154 |
| 12 | 恶人没平安 .....      | 154 |
| 13 | 真相必揭穿谎言 .....    | 155 |
| 14 | 邪恶怕光 .....       | 155 |
| 15 | 以善胜恶 .....       | 156 |
| 16 | 善恶必报 .....       | 156 |
| 17 | 好人长在 .....       | 157 |
| 18 | 罪与罚 .....        | 158 |
| 19 | 淫荡害己身 .....      | 159 |
| 20 | 忘恩负义 .....       | 159 |
| 21 | 种瓜得瓜，种豆得豆 .....  | 160 |
| 22 | 公正待民 .....       | 160 |
| 23 | 司法公正 .....       | 161 |
| 24 | 法律面前，人人平等 .....  | 161 |
| 25 | 清者自清，浊者自浊 .....  | 162 |
| 26 | 乱世用重典 .....      | 163 |
| 27 | 痛打落水狗 .....      | 165 |
| 28 | 法律不能治病 .....     | 165 |
| 29 | 独断专横害人害己 .....   | 165 |

|    |                 |     |
|----|-----------------|-----|
| 30 | 不侵犯人权 .....     | 166 |
| 31 | 水能载舟，亦能覆舟 ..... | 167 |
| 32 | 为富当仁 .....      | 168 |
| 33 | 劳动当获回报 .....    | 168 |
| 34 | 尊重劳动人民 .....    | 170 |
| 35 | 和谐社会 .....      | 170 |
| 36 | 道德社会 .....      | 171 |
| 37 | 撒玛利亚好人法 .....   | 171 |
| 38 | 公共利益 .....      | 175 |
| 39 | 民主 .....        | 176 |
| 40 | 勤政为民 .....      | 177 |
| 41 | 人民公仆 .....      | 177 |
| 42 | 警惕披着羊皮的狼 .....  | 178 |
| 43 | 不开空头支票 .....    | 178 |
| 44 | 得人心者得天下 .....   | 179 |
| 45 | 为民舍命 .....      | 180 |
| 46 | 百姓是一面镜子 .....   | 181 |
| 47 | 是非土地所有权 .....   | 181 |
| 48 | 土地不可买断 .....    | 183 |
| 49 | 社会是个共生体 .....   | 183 |
| 50 | 不可忘本 .....      | 184 |
| 51 | 公平正义 .....      | 184 |
| 52 | 富人不可狂妄 .....    | 185 |
| 53 | 富人多纳税 .....     | 185 |
| 54 | 税收就像拔鹅毛 .....   | 186 |
| 55 | 穷人富人 .....      | 187 |
| 56 | 福利社会 .....      | 188 |
| 57 | 关爱穷人 .....      | 191 |
| 58 | 合理分配财富 .....    | 191 |
| 59 | 公义是人类的灵魂 .....  | 193 |



家庭篇  
*Of Family*



## 01 上帝造人

【旧约·创世纪2：7】 耶和华上帝用地上的尘土造成人形，将生气吹进他的鼻孔里，他就成了有生命的活人，名叫亚当。

The Lord God formed the man from the dust of the ground and breathed into his nostrils the breath of life, and the man became a living being.

读者会问，地球上那么多物质，上帝为什么要用尘土造人，而不用别的物质造人？

这大概是上帝想让人知道，人来自尘土，死后仍归于地化作尘土，不管是权贵，还是平民百姓，生时和死去都无任何区别，都是光溜溜地来，最后又都化作尘土，可以说，用尘土造人，是为了体现“人人生而平等”的普世价值。可见，上



上帝造人 [作者：卡罗斯费德(1794—1872)]

帝希望人在世上不要贪婪,因为死后什么也带不走,自己积攒的财富再多也是枉然,正如徐志摩的诗中所写:“悄悄地我走了,正如我悄悄地来;我挥一挥衣袖,不带走一片云彩。”

据科学家测试,尘土与人体的元素构成和比例基本一致,都由氧、碳、氢、氮、钙、磷、钾、硫、钠、氯、镁、铁、氟、硼、铬、钴、铜、碘、硅、锌等元素构成,这就更让基督徒坚信人的祖先亚当是上帝用尘土造的。

中国也有女娲抟黄土造人的神话。盘古开天辟地刚完成时,地上没有人,女娲感到孤独寂寞,便用黄土加水和泥,照着自己的模样造人。女娲感到一个一个地造人效率太低了,便从附近折下一条藤蔓,把它浸入泥中,然后突然抽出来向空中甩去,点点泥浆漫天飞溅,立刻变成许许多多欢呼雀跃的小人儿。

上帝用尘土捏成的人,只具备了人的模样,但还不是人,还需要把“生气”吹入他的身体,这时的人才有了生命。这里的“生气”就是人的灵魂,暗喻人不但是物质的,也是精神的,人活着不但有物质需求,还有精神需求,贪图肉欲享受而忽视道德情操的修养,那只能说是行尸走肉。

关于人的起源,中国多数读者都接受达尔文生物进化的观点,认为人是从猴子进化来的。1974年,考古学家在埃塞俄比亚阿法州发现了一具生活在320万年前的类人猿化石;1994年又在该州发现了一批生活在450万年前的类人猿化石,这验证了达尔文的论断:人类的祖先在非洲。

我在国外,常与一些基督徒讨论人的起源问题,他们有些人坚信人就是上帝用泥土造的,让猿猴变成人比让人变成猿猴还难。该不该在课堂上向学生传授达尔文进化论,在国外一直争论不休。

1925年,美国教师约翰·斯寇普因讲授进化论受到起诉,这就是举世闻名的“猴子审判”。从7月13日到7月21日,审判历时8天,最后陪审团确认斯寇普违法,判罚100美元。1927年1月,田纳西州高等法院以不符合程序为由推翻了对斯寇普的判决。1968年,美国联邦最高法院判定,所有类似的反进化论立法违宪。根据美国全国广播公司发起的一项网上民意调查,56%的人认为,进化论是一个完善的科学理论,目前的教学不需要修改;44%的人则认为,